दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (CDOE)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-171005

प्रदत्त कार्य (ASSIGNMENT)
स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सत्र

आवश्यक निर्देश :-

- विद्यार्थी प्रदत्त कार्य (ASSIGNMENT) के मुख्य पृष्ठ पर अपना नाम, माता-पिता का नाम, अनुक्रमांक/पंजीकरण संख्या, मोबाइल एवं WhatsApp नंबर, पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण साफ़ व स्पष्ट शब्दों में लिखें।
- प्रत्येक विषय में 20 अंकों का प्रदत्त कार्य कार्य दिया जाएगा जो 3 खण्डों में विभक्त होगा।
- प्रदत्त कार्य-1 एवं प्रदत्त कार्य-2 कुल 14 (7+7) अंकों विभक्त होगा तथा प्रदत्त कार्य-3 कुल 6 अंकों में विभक्त होगा।
- जेनेरिक -2 विषय में दो ही प्रदत्त कार्य होंगे जो 10+10 अंकों में विभक्त होंगें।
- जेनेरिक -2 (हिन्दी साहित्य और सिनेमा) स्नातकोत्तर हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए नहीं होगा।

क्र.सं.	विषय क्रमांक	विषय	प्रदत्त कार्य-1 अंक	प्रदत्त कार्य-2 अंक	प्रदत्त कार्य-3 अंक	कुल योग
1	MHIN 401	छायावादोत्तर काव्य	07	07	06	20
2	MHIN 402	पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत	07	07	06	20
3	MHIN 403	शोध प्रविधि	07	07	06	20
4	MHIN 404	लोक साहित्य : सैद्धांतिक विवेचन एवं प्रायोगिक आयाम	07	07	06	20
5	MHIN 405	हिन्दी साहित्य और सिनेमा (GE-2)	10	10		20

नोट – प्रदत्त कार्य (Assignments) निम्नलिखित पते पर प्रेषित करें

Director of ICDEOL
Himachal Pradesh University
Summerhill, Shimla, 171005

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (CDOE)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-171005

प्रदत्त कार्य-

(ASSIGNMENT-)

नाम –

माता का नाम –

पिता का नाम –

अनुक्रमांक/पंजीकरण संख्या -

सत्र –

कार्यक्रम –

विषय शीर्षक –

विषय क्रमांक –

मोबाइल नं. –

दिनांक –

प्राप्तकर्ता –

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्र

छायावादोत्तर काव्य

कोर्स कोड़ : **MHIN 401**

निर्देश : मुख्य पृष्ठ पर कोर्स का नाम, कोर्स कोड, अपना नाम, माता – पिता का नाम, अनुक्रमांक या पंजीकरण संख्या, सम्पर्क संख्या **(Mobile No)** , साफ एवं स्पष्ट शब्दों में लिखें।

प्रदत्त – कार्य –1

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5, 3.5 = 7

1 रामधारी सिंह दिनकर का साहित्यिक परिचय लिखिए।

2 अज्ञेय की साहित्यिक विशेषताएं लिखिए।

3 नागार्जुन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्पष्ट करें।

4 शमशेर बहादुर सिंह की साहित्यिक विशेषताएं लिखिएं।

प्रदत्त – कार्य –2

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5, 3.5 = 7

1 रामधारी सिंह दिनकर की साहित्यिक विशेषताएं लिखिए।

2 अज्ञेय का साहित्यिक परिचय लिखिएं।

3 नागार्जुन की साहित्यिक विशेषताओं को स्पष्ट करें।

4 शमशेर बहादुर सिंह का जीवन परिचय लिखिएं।

प्रदत्त – कार्य –3

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3, 3 = 6

1 रश्मिरथी की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

2 'मैंने देखा एक बूंद' और 'सोन मछली' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

3 बादल को घिरते देखा और अकाल और उसके बाद कविता के सार को स्पष्ट करें।

4 शमशेर बहादुर सिंह की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्र

पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत

कोर्स कोड़ : MHIN 402

निर्देश : मुख्य पृष्ठ पर कोर्स का नाम, कोर्स कोड, अपना नाम, माता – पिता का नाम, अनुक्रमांक या पंजीकरण संख्या, सम्पर्क संख्या **(Mobile No)** , साफ एवं स्पष्ट शब्दों में लिखें।

प्रदत्त – कार्य –1

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5, 3.5 = 7

1 प्लेटो के काव्य सिद्धांत का परिचय लिखिए।

2 अरस्तु का अनुकरण का सिद्धांत लिखिए।

3 विरेचन सिद्धांत को स्पष्ट करें।

4 अरस्तु का त्रासदी का विवेचन किजिए।

प्रदत्त – कार्य –2

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5, 3.5 = 7

1 लोंजाइनस के उदात की अवधारणा लिखिए।

2 वर्डसवर्थ का काव्य भाषा का सिद्धांत लिखिए।

3 मैथ्यू आर्नोल्ड की आलोचना दृष्टि को स्पष्ट करें।

4 शैलीविज्ञान को स्पष्ट कीजिए।

प्रदत्त – कार्य –3

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3, 3 = 6

1 परम्परा की परिकल्पना एवं वस्तुनिष्ठ समीकरण का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

2 व्यवहारिक आलोचना का अर्थ एवं विशेषताए लिखिए।

3 उतर–आधुनिकता के अर्थ को स्पष्ट करें।

4 अस्तित्ववाद और संरचनावाद का अर्थ लिखिए।

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्र

विषय – (MHIN 403) शोध प्रविधि

प्रदत्त कार्य-1 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 शोध का अर्थ स्पष्ट करते हुए शोध की आवश्यकता एवं महत्ता पर प्रकाश डालिए।

प्र०2 शोध के विविध घटक या तत्वों का विवेचन कीजिए।

प्र०3 शोध कार्य के प्रमुख चरण कौन-कौन से हैं ? विस्तार से वर्णन कीजिए

प्र०4 हिन्दी साहित्य में शोध के उद्भव और विकास की समीक्षा कीजिए।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-2 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 साहित्यिक शोध की अवधारणा स्पष्ट करते हुए शोध की विविध पद्धतियों का विवेचन कीजिए।

प्र०2 तुलनात्मक शोध के स्वरूप एवं प्रक्रिया की विवेचना कीजिए।

प्र०3 शोध के विभिन्न प्रकारों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

प्र०4 अनुसंधान और आलोचना के परस्पर संबंध को स्पष्ट करते हुए दोनों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-3 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 शोध विषय का निर्धारण करते हुए किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

प्र०2 शोध निर्देशक में कौन से गुण अपेक्षित हैं ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्र०3 शोध सामग्री के संकलन की रचना प्रक्रिया पर विचार कीजिए।

प्र०4 रूपरेखा का निर्माण कीजिए।

मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीयता।

अथवा

फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों में आँचलिकता। **कुल अंक 3 +3=6**

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्र

विषय – (MHIN 404) लोक साहित्य : सैद्धांतिक विवेचन एवं प्रायोगिक आयाम

प्रदत्त कार्य-1 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 लोक साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्र०2 लोक साहित्य की विविध विधाओं का उदाहरण सहित वर्णन करें।

प्र०3 लोक साहित्य और लोक संस्कृति के अंतर्संबंध पर प्रकाश डालिए।

प्र०4 लोक साहित्य का सामाजिक विज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध उद्घाटित कीजिए।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-2 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 लोक साहित्य के अध्ययन की विभिन्न प्रक्रियाओं की विवेचना कीजिए।

प्र०2 लोक साहित्य के संकलन एवं संरक्षण की प्रविधियों को स्पष्ट कीजिए।

प्र०3 हिमाचल प्रदेश के लोकगीतों का क्षेत्रीय आधार पर वर्गीकरण कीजिए।

प्र०4 हिमाचल प्रदेश की प्रणायात्मक, प्रेमाख्यानपरक एवं सतीत्व प्रधान लोकगाथाओं का परिचय दीजिए।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-3 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 लोककथा के प्रकारों का उल्लेख करते हुए उसकी सामाजिक उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

प्र०2 लोक नाट्य के विकास की पृष्ठभूमि और परंपरा को स्पष्ट कीजिए।

प्र०3 हिमाचल प्रदेश के लोकनृत्यों के विविध प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

प्र०4 हिमाचल प्रदेश के विविध क्षेत्रों से संकलित लोक साहित्य पर प्रकाश डालिए।

कुल अंक 3 +3=6